सांध्य दैनिक

4PM

सबसे महान जीत प्रेम की होती है, ये हमेशा के लिए दिल जीत लेती है।
-अशोक महान

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 318 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 29 दिसम्बर, 2022

दलाई लामा का बोधगया दौरा बिहार सरकार... 8
आखिर देश में आधी आबादी को... 3
नाबालिग से यौन शोषण का आरोपी... 7

अखिलेश का बड़ा हमला

ओबीसी की संतानों को गुलाम बनाना चाहती है भाजपा

कहा-वोट लेती है और अधिकार छीनती है, ओबीसी के बाद एससी की बारी

» उपचुनाव की हार से डरी योगी सरकार निकाय चुनाव से रही भाग

» सरकार में शामिल मंत्रियों की मर चुकी है आत्मा पिछड़ों का हक छिनने पर भी साधे हैं चुप्पी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने भाजपा पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा ओबीसी की संतानों को गुलाम बनाना चाहती है। उसे पिछड़ों का वोट तो चाहिए मगर समान अधिकार न देकर पीछे से उनके अधिकारों को छीन रही है।

विक्रमादित्य मार्ग स्थित सपा कार्यालय में गुरुवार को अखिलेश यादव ने संवाददाताओं को संबोधित किया। यहां उन्होंने कहा कि ओबीसी के बाद भाजपा के अगले निशाने पर एससी वर्ग है। भाजपा की सरकार में शामिल पिछड़े समाज से आने वाले मंत्रियों की आत्मा पूरी तरह मर चुकी है। उन्होंने अपने वर्ग के अधिकारों पर बोलने के बजाए चुप्पी साध ली है। कहा कि उपचुनाव में खतौली और मैनपुरी सीट पर हुई करारी हार से भाजपा भयभीत है। यहां जिस तरह हर वर्ग ने सपा गठबंधन को वोट किया है उससे भाजपाई खेमे की चिंता बढ़ी हुई है। रामपुर में सरकार ने सरकारी मशीनरी का दुरूपयोग करके बेईमानी से चुनाव जीता है। निकाय चुनाव में खतौली और मैनपुरी जैसा हश्र होने की आशंका के चलते सरकार चुनावी मैदान से भागना चाहती है।

दलितों पिछड़ों की नौकरी की रिपार्ट नहीं की गई सार्वजनिक

पिछड़ों के लिए अदालत तक लड़ाई लड़ेगी सपा

सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने कहा है कि समाजवादी पार्टी पिछड़ा वर्ग के साथ कंधे से कंधा मिला कर खड़ी है। ओबीसी के अधिकारों को छिनने नहीं दिया जाएगा। चाहे इसके लिए सर्वोच्च अदालत तक लड़ाई लड़नी पड़े। उन्होंने भाजपा सरकार पर आरोप लगाया कि राज्य पिछड़ा आयोग को समाप्त कर दिया है। यहां से ओबीसी वर्ग को कुछ मदद मिल सकती थी, मगर सरकार ने उसे इस लायक ही नहीं छोड़ा। कहा कि सरकार की मंशा ठीक नहीं है। दलित और पिछड़ों की नौकरी की रिपोर्ट को आज तक सरकार ने सार्वजनिक नहीं किया। यह सरकार केवल घोटालों की सरकान बन कर रह गई है। नौकरियों को समाप्त कर दिया गया है ताकि पिछड़ों और दलितों की संतानों को केवल गुलाम बना कर रखा जाए।

निकाय चुनाव

सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर करेगी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। निकाय चुनाव को लेकर यूपी सरकार सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी यानी विशेष अनुज्ञा याचिका दायर करेगी। इस पर 1 जनवरी को बहस होगी। सरकार कोर्ट से आरक्षण के साथ चुनाव कराने की मंजूरी देने की अपील करेगी। इससे पहले कल यानी बुधवार को सरकार ने रिटायर्ड जज राम अवतार सिंह की अध्यक्षता में 5 सदस्य आयोग बनाया है।

आयोग में आईएएस चौब सिंह वर्मा, रिटायर्ड आईएएस महेंद्र कुमार, भूतपूर्व विधि परामर्शी संतोष कुमार विश्वकर्मा और अपर जिला जज बृजेश कुमार सोनी सदस्य होंगे। आयोग निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण के लिए ट्रिपल टेस्ट करके 3 महीने के अंदर अपनी रिपोर्ट शासन को देगा। इसके आधार पर ओबीसी आरक्षण निर्धारित होगा। ऐसे में माना जा रहा है कि अप्रैल-मई में निकाय चुनाव हो सकते हैं। क्योंकि, फरवरी-मार्च में यूपी बोर्ड परीक्षा हैं। अधिसूचना के मुताबिक, आयोग की नियुक्ति 6 महीने के लिए हुई है। दरअसल, मंगलवार को हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने शहरी स्थानीय निकाय चुनावों पर राज्य सरकार के 5 दिसंबर को जारी ड्राफ्ट नोटिफिकेशन को रद्द कर दिया था। साथ ही, ओबीसी आरक्षण लागू किए बिना ही यूपी में चुनाव कराने के आदेश दिए थे। हाईकोर्ट ने यह भी कहा था कि बिना ट्रिपल टेस्ट के आरक्षण न किया जाए। हाईकोर्ट के फैसले के तुरंत बाद सीएम योगी का बयान आया। इसमें उन्होंने कहा कि बिना ओबीसी आरक्षण के निकाय चुनाव नहीं कराएगी। जरूरत पड़ी तो सुप्रीम कोर्ट तक जाया जाएगा। योगी के इस बयान से यह क्लीयर था कि सरकार बिना आरक्षण चुनाव नहीं कराएगी। यही वजह रही कि हाईकोर्ट के फैसले के 24 घंटे के भीतर ही आरक्षण के लिए आयोग गठित कर दिया।

रैपिड सर्वे के आधार पर ही त्रिस्तरीय पंचायतों का चुनाव 2015 और 2021 में कराया गया। यूपी सरकार ने हाईकोर्ट को बताया था कि वह निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा सुझाए गए 'ट्रिपल टेस्ट' फॉर्मूले का पालन कर रही है। लेकिन कोर्ट में दर्ज याचिकाओं में कहा गया कि सरकार ने ओबीसी आरक्षण जारी करने के लिए ट्रिपल टेस्ट फॉर्मूला नहीं अपनाया था। इसमें देखना होगा कि राज्य में ओबीसी की आर्थिक-शैक्षणिक स्थिति क्या है? उनको आरक्षण देने की जरूरत है या नहीं? दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने एक आदेश में कहा था कि ओबीसी आरक्षण के लिए तय शर्तों को पूरा किए बिना आरक्षण नहीं मिल सकता है।

रिटायर्ड जज राम अवतार की अध्यक्षता में बनाया 5 सदस्य आयोग

ठंड से मर रहे लोग और सरकार सो रही चैन की नींद : अखिलेश

» सपा प्रमुख ने योगी सरकार पर बोला बड़ा हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बढ़ती ठंड में गरीब और असहाय लोगों के लिए उचित व्यवस्था न करने को लेकर प्रदेश की योगी सरकार पर निशाना साधा है। सपा प्रमुख ने कहा कि पूरा प्रदेश सर्दी और गलन से कांप रहा है। मौसम की मार से गरीब और किसान परेशान है। लगातार बढ़ती ठंडक जानलेवा होती जा रही है।

पिछले कुछ दिनों में प्रदेश में ठंड से कई लोगों की मौत हो चुकी है। लेकिन भाजपा सरकार पूरी तरह से लापरवाह बनी हुई है। आमजन को सर्दी से बचाने के लिए न तो कहीं अलाव जलाए जा रहे हैं और न रैन बसेरों का उचित इंतजाम है। अखिलेश ने कहा कि गरीबों और आम जनता को ठिठुरन और कड़ाके की ठंड से बचाने के लिए पहले समाजवादी पार्टी की सरकार में कंबल और अन्य गर्म कपड़ों का वितरण किया जाता था, लेकिन भाजपा सरकार पूरी तरह से जनता की परेशानियों के प्रति संवेदनशून्य बनी हुई है। जब लोग ठंड से ठिठुरने लगे हैं, तब कंबल खरीद के टेंडर हो रहे हैं। पता नहीं किस गुणवत्ता के कंबल कितने दिनों में मिल पाएंगे। गरीब और किसानों की कड़ाके की ठंड से मौत हो जा रही है।

ठंड से मरने वालों को मिले मुआवजा

पूर्व मुख्यमंत्री ने कई घटनाओं का जिक्र करते हुए बताया कि उन्नाव जिले के कोतवाली गंगा घाट में अपने खेतों में फसल की रखवाली करने गए नन्हा लोधी की ठंड लगने से मौत हो गई। इसी तरह से बांदा में पिछले शुक्रवार को खेत में सिंचाई करने के दौरान ठंड लगने से एक किसान की मौत हो गई। कानपुर देहात के संदलपुर क्षेत्र में भी फसल में पानी लगाने गए किसान की ठंड लगने से मौत हो गई। सपा अध्यक्ष ने ये मांग की कि जिन लोगों की ठंड से मौतें हो रही है, सरकार उन्हें तत्काल आर्थिक मुआवजा दे। कड़ाके की सर्दी और शीत लहर से प्रदेश के अन्य जिलों में भी इस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं। ठंडी बढ़ने के साथ ही हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। पिछले सप्ताह कानपुर में इसी तरह की घटनाओं से चार लोगों की मौत हो चुकी है, आखिर भाजपा सरकार और प्रशासन नींद से कब जागेगा?

उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्था हो कि सर्दी में कोई बाहर न सोएं, पर हकीकत में रैन बसेरे कहां हैं? अस्पतालों में बीमारो के साथ आए तीमारदारों को इन दिनों भीषण ठंड में कहीं सिर छुपाने को जगह नहीं मिल रही है। वे खुले में पेड़ों के नीचे रात बिताने को मजबूर हैं। धुंध और कोहरे के चलते यातायात बाधित हो रहा है। दुर्घटनाएं हो रही हैं। लोगों की मौतें हो रही है। स्कूल जाने वाले बच्चों को भारी परेशानी हो रही है।

कूड़े के पहाड़ हटाने को आप सरकार का एक्शन शुरू

» उपमुख्यमंत्री ने ओखला लैंडफिल साइट का किया दौरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजधानी को कूड़े के पहाड़ से मुक्ति दिलाने की मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गारंटी को पूरा करने की दिशा में दिल्ली सरकार ने काम शुरू कर दिया है। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने आप के महापौर व उपमहापौर पद के उम्मीदवार शैली ओबेरॉय व आले मोहम्मद इकबाल और एमसीडी के अधिकारियों के साथ ओखला लैंडफिल साइट का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कूड़े के पहाड़ को खत्म करने के शुरू हुए काम का निरीक्षण किया।

मनीष सिसोदिया ने कहा कि कूड़े के पहाड़ों को खत्म करना पिछली सरकार की प्राथमिकता नहीं थी, इसलिए इन लैंडफिल साइट की ऊंचाई लगातार बढ़ती रही और इसका खामियाजा दिल्ली की जनता को उठाना पड़ा। जनता का जीवन इन कूड़े के पहाड़ों की बदबू के कारण नरक बन गया, लेकिन अब दिल्ली की जनता ने एमसीडी में आम आदमी पार्टी को मौका दिया है और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में हम इन कूड़े के पहाड़ों को खत्म करने का ब्लू-प्रिंट तैयार कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल खुद एक इंजीनियर हैं और उन्होंने इन कचरे के ढेर को खत्म करने के लिए एक विस्तृत योजना बनाई है। उनका विजन दिल्ली को दुनिया की सबसे स्वच्छ और सबसे खूबसूरत राजधानी बनाना है और अब इस दिशा में काम शुरू कर दिया गया है।

अब आजम के सरकारी आवास में रहेंगे आकाश

» सपा के कद्दावर नेता को सरकारी आवास खाली करने का दिया गया नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार ने सपा के कद्दावर नेता आजम खान को एक और झटका लगाया है। करीब चार दशकों तक लखनऊ के जिस सरकारी आवास से आजम खान की सियासत चला करती थी, अब वहां से उन्हें बेदखल कर दिया गया है। पहले हेट स्पीच केस में सजायाफ्ता होने के बाद विधायकी रद्द हो गई उसके बाद उपचुनाव में रामपुर सीट से बीजेपी के आकाश सक्सेना ने उनके उम्मीदवार आसिम रजा को पराजित कर दिया। जिसके बाद अब राज्य संपत्ति विभाग ने उनके सरकारी आवास का आवंटन रद्द कर दिया। अब यह आवास बीजेपी के विधायक आकाश सक्सेना को अलॉट किया गया है।

बताया जा रहा है कि राज्य संपत्ति विभाग ने दारुलशफा स्थित सरकारी आवास 34बी को बीजेपी के नव निर्वाचित विधायक आकाश सक्सेना को अलॉट किया है। गौरतलब है कि पिछले 40 सालों से दारुलशफा स्थित सरकारी आवास 34बी या तो उनके पास या उनके करीबियों के पास ही रहा। लेकिन रामपुर का किला ढहने के साथ ही आजम की सियासी सफर का गवाह रहा यह बंगला भी अब उनसे छीन गया। बता दें कि सीतापुर जेल से छूटने के बाद जब आजम खान लखनऊ पहुंचे थे तब भी वे इसी बंगले पर रुके थे। आजम खान को अलॉट रहे बंगला मिलने पर बीजेपी विधायक आकाश सक्सेना ने कहा कि नियम के मुताबिक उन्हें सरकारी आवास मिला। उन्हें बताया गया है कि वही बंगला है जो कभी आजम खान के नाम हुआ करता था। उन्होंने कहा कि इस आवास के बारे में बहुत सुना है। बता दें कि हाल ही में हुए उपचुनाव में आकाश सक्सेना ने रामपुर सदर सीट पर जीत दर्ज की है।

जी-20 सम्मेलन में दुनिया देखेगी ब्रांड यूपी की भव्यता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में 2023 में भारत की अध्यक्षता में होने वाले जी-20 सम्मेलनों के सफल आयोजन के लिए उच्चाधिकारियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि जी-20 सम्मेलन ब्रांड यूपी से दुनिया का परिचय कराएगा।

योगी ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में आदरणीय प्रधानमंत्री के यशस्वी नेतृत्व में भारत को विश्व के बड़े राष्ट्रों के समूह जी-20 की अध्यक्षता करने का गौरव प्राप्त हुआ है। हमें इस वैश्विक समारोह का अधिकाधिक लाभ लेना चाहिए। भारत की अध्यक्षता वाले जी-20 के एक साल की अवधि में यूपी के वाराणसी, लखनऊ आगरा और ग्रेटर नोएडा में अलग-अलग कार्यक्रम होंगे। इन जनपदों में अतिथि देवो भव की भारतीय भावना के अनुरूप आयोजन को भव्य बनाने की तैयारी की जाए। योगी ने कहा कि विदेशी आगन्तुकों की सुरक्षा के मानक अनुरूप प्रबंध किए जाएं। मेडिकल इमरजेंसी, ट्रैफिक आदि के संबंध में भी आवश्यक व्यवस्था की जाए। अतिथियों के भोजन में उत्तर प्रदेश की विविधतापूर्ण खान-पान संस्कृति का समावेश होना चाहिए।

मणिशंकर के बयान को भाजपा ने लपका, देश का अपमान बताया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने एक ऐसा बयान दे दिया है, जिसको लेकर भाजपा ने कांग्रेस को निशाना पर ले लिया है। अय्यर ने राहुल की भारत जोड़ो यात्रा पर बोलते हुए कहा कि भारत टूटा हुआ है और इसलिए उसको जोड़ने की जरूरत है। भारत जोड़ो यात्रा का मकसद भी यही है।

अय्यर के इस बयान के सामने आते ही भाजपा कांग्रेस पर हावी हो गई है और इसे देश का अपमान बताते हुए सरदार वल्लभ भाई पटेल का भी अपमान करार दिया। हम तो महसूस करते हैं। उन्होंने कहा कि इस यात्रा का मकसद वही है जो राहुल ने कहा है यानी भारत जोड़ो इसके बाद अय्यर एक कदम आगे चले गए और कहा कि भारत टूटा हुआ है और इसलिए उसे जोड़ने की जरूरत है।

एक साल बाद जेल से बाहर आए अनिल देशमुख

» नवंबर 2021 से जेल में थे पूर्व गृहमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री और एनसीपी नेता अनिल देशमुख बुधवार को जेल से रिहा हो गए। मुंबई में आर्थर रोड जेल के बाहर उनका स्वागत हुआ। देशमुख के रिहा होने से पहले ही उनके समर्थक जेल के बाहर मौजूद थे। भ्रष्टाचार मामले में वह एक साल से अधिक समय से जेल में थे। देशमुख को बॉम्बे हाईकोर्ट ने 12 दिसंबर को एक लाख रुपये के मुचलके पर सशर्त जमानत दी थी।

लेकिन सीबीआई ने इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने के लिए जमानत पर स्थगन आदेश के लिए एक आवेदन दायर किया था, जिसे बॉम्बे हाईकोर्ट ने मंजूर कर लिया था और हाईकोर्ट ने पिछले हफ्ते सीबीआई के अनुरोध पर जमानत आदेश पर रोक को 27 दिसंबर तक बढ़ा दिया था। हालांकि, मंगलवार को इसके तीन दिन के और विस्तार को बॉम्बे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था। अनिल देशमुख नवंबर 2021 से जेल में थे।

बामुलाहिज़ा

कार्टून: हसन जैदी

राहुल की भारत जोड़ो यात्रा से राजनीतिक दलों का किनारा

सपा-रालोद ने व्यस्तता, तो बसपा ने न्यौता न मिलने का बनाया बहाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार प्यार-मोहब्बत और भाईचारे का संदेश दे रहे हैं। इसकी झलक भी उनकी यात्री में कई बार देखने को मिल चुकी है। अपने इसी संदेश के साथ राहुल उत्तर प्रदेश में भी आगे बढ़ेंगे। इसी को ध्यान में रखते हुए उन्होंने प्रदेश के कई अन्य दलों के नेताओं को भी अपनी यात्रा में शामिल होने का न्यौता भेजा था। इनमें सपा, बसपा, रालोद और सुभासपा जैसे दलों के नेताओं को कांग्रेस की ओर से निमंत्रण भेजा गया।

खबरें तो ये तक थीं कि कांग्रेस की ओर से पूर्व डिप्टी सीएम और भाजपा नेता दिनेश शर्मा को भी इस यात्रा में शामिल होने के लिए निमंत्रण भेजा गया है। इस जानकारी के सामने आते ही भाजपा समेत प्रदेश के पूरे सियासी गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया था। साथ ही इस बात के भी कयास लगाए जाने लगे थे कि कांग्रेस का ये निमंत्रण कहीं 2024 में विपक्ष के मजबूत गठबंधन की शुरूआत तो नहीं है। मगर अब इन सभी तरह के कयासों पर विराम लग रहा है। क्योंकि अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने से विपक्षी दलों ने किनारा करना शुरू कर दिया है। इनमें अखिलेश, मायावती और जयंत चौधरी सरीखे नेताओं के नाम सामने आ रहे हैं, जिन्होंने अपनी व्यस्तता या किन्हीं और कारणों का हवाला देकर राहुल की यात्रा से किनारा करने का विचार किया है। इस खबर से एक ओर जहां कांग्रेस को झटका लगाल है, तो वहीं दूसरी ओर भाजपा को काफी सुकून मिला है।

राकेश टिकैत ने की राहुल की तारीफ

भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा का न्योता मिला है। मैं जाऊंगा या नहीं, इस पर संयुक्त किसान मोर्चा के बीच चर्चा की जाएगी। तभी कुछ फाइनल हो पाएगा। हालांकि, राहुल गांधी बढ़िया काम कर रहे हैं। भूमि अधिग्रहण में उनका सबसे बड़ा रोल रहा था। आज जिस किसान को जमीन-जायदाद से दो रुपए भी आमदनी हो रही है, वो राहुल की देन है।

दिनेश शर्मा का भी इनकार

इतना ही नहीं कांग्रेस की ओर से पूर्व डिप्टी सीएम और भाजपा नेता दिनेश शर्मा को भी भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने का निमंत्रण भेजा गया था। दिनेश शर्मा को लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर के तौर पर यात्रा में आमंत्रित किया गया था। मगर दिनेश शर्मा के यात्रा में शामिल होने की संभावना न के ही बराबर थी। ऐसे में दिनेश शर्मा ने ये कहते हुए भारत जोड़ो यात्रा से किनारा कर लिया कि भारत जोड़ने का वास्तविक कार्य तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कर रहे हैं। मैं कांग्रेस नेता राहुल गांधी का आह्वान करता हूं कि वह प्रधानमंत्री के भारत जोड़ो अभियान में योगदान करें।

जयंत-अखिलेश का राहुल को 'ना'

समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने 2017 का यूपी विधानसभा चुनाव एक साथ मिलकर लड़ा। तब दो युवा लड़कों राहुल गांधी और अखिलेश यादव की जोड़ी काफी मशहूर हुई थी। चुनाव के बाद भी दोनों नेताओं के बीच सम्बंध मधुर ही रहे। ऐसे में राहुल गांधी ने अपनी यात्रा में शामिल होने के लिए अखिलेश को न्यौता भेजा था। मगर अखिलेश ने ये कहते हुए मना कर दिया कि उन्हें इस तरह का कोई निमंत्रण नहीं मिला है। अखिलेश से जब भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने की सम्भावना के बारे में पूछा गया कि तो उन्होंने कहा कि यात्रा को लेकर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के भावनात्मक आह्वान से उनका जुड़ाव है, लेकिन उन्हें किसी प्रकार का निमंत्रण नहीं मिला है। इस बीच, सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेन्द्र चौधरी ने बताया कि पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव का कार्यक्रम

पहले से ही तय है और उनका कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होना बहुत मुश्किल है। इस सवाल पर कि क्या सपा का कोई अन्य नेता यात्रा में शामिल होगा, चौधरी ने कहा कि पार्टी में इस सिलसिले में अभी तक कोई बात ही नहीं हुई है। अखिलेश के अलावा राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी की ओर से भी यात्रा में न शामिल होने को लेकर जानकारी आ गई है। रालोद के मुख्य प्रवक्ता अनिल दुबे ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि रालोद प्रमुख जयंत चौधरी यात्रा में जाएंगे। उनके तमाम कार्यक्रम पहले से ही निर्धारित हैं। जहां तक पार्टी के किसी नेता के यात्रा में शामिल होने का सवाल है तो उसका फैसला राष्ट्रीय अध्यक्ष (जयंत) खुद करेंगे। वहीं जयंत के निजी सहायक समरपाल सिंह ने कहा कि जयंत चौधरी 27 दिसंबर को बाहर चले गए हैं और 4 जनवरी को लौटेंगे। भारत जोड़ो यात्रा का न्योता मिला है, लेकिन उनका प्रोग्राम पहले से तय है। इसलिए वह इस यात्रा में शामिल नहीं हो पाएंगे।

बसपा ने कहा-नहीं मिला न्यौता

जौनपुर से बहुजन समाज पार्टी के सांसद श्याम सिंह यादव के राहुल की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के बाद ऐसे कयास लग रहे हैं कि आगामी चुनावों में कांग्रेस और बसपा के बीच गठबंधन हो सकता है। ऐसे में बसपा सुप्रीमो मायावती के भी यात्रा में शामिल होने की बात सामने आई थी। मगर अब बसपा की ओर से यह कहा गया है कि अब तक कोई निमंत्रण नहीं मिला है और यात्रा में शिरकत करने का फैसला पार्टी मुखिया मायावती ही करेंगी। बसपा ने श्याम सिंह यादव के दिल्ली में यात्रा में शामिल होने के फैसले को उनका निजी फैसला बताया। वहीं बसपा के प्रदेश

अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने कहा कि मुझे नहीं पता कि मायावती को न्योता मिला या नहीं। इस बारे में वही बता सकती हैं। लेकिन मैं यह जरूर कहूंगा कि कांग्रेस भारत जोड़ो यात्रा निकाल रही है और मैं सर्वसमाज जोड़ो यात्रा निकाल रहा हूं। अयोध्या से यह यात्रा शुरू हो चुकी है। हर मंडल में रोजाना कार्यक्रम हो रहे हैं। कांग्रेस की यात्रा से हमें कोई मतलब नहीं है। इसके अलावा सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के संयोजक पूर्व केन्द्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद ने उन्हें फोन कर आमंत्रित किया था, मगर उन्हें अभी औपचारिक निमंत्रण पत्र नहीं मिला है। उनका कहना था कि यात्रा में शामिल होना है या नहीं, इस बारे में कोई फैसला आगामी 30 दिसंबर को पार्टी नेताओं के साथ बैठक में लिया जाएगा।

आखिर देश में आधी आबादी को इंसाफ कब?

हयात अब्बास

लखनऊ। देश को आजाद हुए 75 साल पूरे हो चुके हैं, लेकिन हमारे देश की आधी आबादी अभी भी अपने हक से महरूम है। जी हां, हमारे देश में जहां महिलाओं को इतना सम्मान दिया जाता है उसके बावजूद भी महिलाओं को अभी भी सामान्य हक नहीं दिया गया है। महिलाओं को समानता का अधिकार तथा 33 फीसदी आरक्षण देने की बात नहीं की गई है। बेशक यह मुद्दा चुनावी चर्चा से लगभग गायब रहता है , लेकिन समय-समय पर महिलाओं को समानता और आरक्षण का अधिकार देने का मुद्दा सतह पर आ जाता है।

भारत में महिलाएं देश की आबादी का लगभग आधा हिस्सा हैं। यूं तो यह आधी आबादी कभी शोषण तो कभी अत्याचार के मामलों को लेकर अक्सर चर्चा में रहती है, जब भी हम महिलाओं की समानता की बात करते हैं तो यह भूल जाते हैं कि किसी भी वर्ग में समानता के लिये सबसे पहले अवसरों की समानता का होना बेहद जरूरी है। यह भी किसी से छिपा नहीं है कि देश में आधी आबादी राजनीति में अभी भी हाशिये पर है। यह स्थिति तब है, जबकि जितनी भी महिलाओं को राजनीति के निचले पायदान से ऊपरी पायदान तक जितना भी और जब भी मौका मिला, उन्होंने अपनी योग्यता और क्षमताओं का लोहा मनवाया है। इसे दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि संसद में 33 प्रतिशत आरक्षण दिलाने के लिये लाया गया 'महिला आरक्षण विधेयक' राज्यसभा से पारित होने के बाद लोकसभा में अभी भी पड़ा है। ऐसे में सवाल ये उठता है कि जो बीजेपी खुद को महिलाओं का हमदर्द बताती हैं, उसकी सरकार रहते हुए भी महिलाएं अपने अधिकारों से वंचित हैं। वहीं भारत के कुछ राज्य ऐसे हैं, जहां महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण प्राप्त है, जिसमे बिहार देश का सबसे पहला राज्य बना है जिसने महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया है। लोकसभा में अब भी महिला आरक्षण विधेयक पर लुका-छिपी का खेल चल रहा है। भारत के 21 राज्य ऐसे है जहां महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण प्राप्त है 7 राज्य अभी भी महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने में असमर्थ हैं। अब देखने ये होगा कि जिन राज्यों में अभी भी 50 प्रतिशत आरक्षण नहीं दिया है वहां सरकार कब तक जागती है। देश की अनेक महिला संगठन कई सालों से 33 प्रतिशत महिला आरक्षण की मांग कर रही हैं पर 25 साल से अनेक सरकारें आयी और गयी पर बिल कोई विचार नहीं किया गया है। 1975 में जब इंद्रा गांधी प्रधानमंत्री थी उस समय टू वर्ड्स इक्वलिटी नाम की एक रिपोर्ट आई थी जिसमे महिलाओं के लिए आरक्षण की बात की गई थी।

संसद में पेश हुआ बिल पर अब तक है लंबित

पहली बार ये विधेयक 1996 में संसद में पेश किया गया था जो आज तक पास नहीं हुआ है। इस बिल को लेकर कई राजनितिक पार्टियों ने इस बिल का विरोध किया था उनका मानना है कि इस बिल सिर्फ शहरी महिलाओं को फायदा होगा इसलिए ओबीसी और दलित वर्ग की महिलाओं के लिए कोटे की मांग की गई थी। महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण वाला ये बिल 2010 में ये राजयसभा में पास भी हुआ लेकिन कई पार्टीयों के विरोध के चलते लोकसभा से पास नहीं हो सका था। उस वक्त कांग्रेस की गठबंधन सरकार थी जिसके पास बहुमत नहीं था। लेकिन आज केंद्र में बहुमत सरकार यानी भाजपा सरकार में भी ये बिल अभी भी अटका हुआ है। भाजपा सरकार दावा करती है कि वो महिलओं के हित की बात करती है सामान्य अधिकार देने की बात करती है तो सवाल यही है कि आज भी ये बिल पर क्यों विचार नहीं हुआ है ।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

एशिया में पहले नंबर पर हिन्दुस्तान

> साल 2020 में दुनियाभर में सर्वाइकल कैंसर के छह लाख से अधिक मामले सामने आये थे जिसमें करीब साढ़े तीन लाख मौतें हुई थी। इनमें से सर्वाइकल कैंसर के करीब 21 फीसदी मामले भारत में थे जबकि एशिया का आंकड़ा 58 फीसदी था। यानी भारत में इस कैंसर के मरीजों की संख्या दूसरे देशों के मुकाबले बहुत अधिक है। इसके रोगियों में बढ़ोतरी की मुख्य वजह आर्थिक और सामाजिक तौर पर पिछड़ेपन को माना गया है।

महिलाओं में होने वाले कैंसर के प्रकारों में सर्वाइकल कैंसर का दुनिया में चौथा स्थान है। देश में इसके मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। इस रोग के मामले में अगर बात एशिया महादीप की करें तो लांसेट के ताजा सर्वे में 40 फीसदी सर्वाइकल कैंसर से मौतें एशिया में होती हैं और जिसमें सबसे अधिक भारत में 23 प्रतिशत का आंकड़ा हैं। लोगों की इस से मौतें के मामले में एशिया में हिंदुस्तान पहले पायदान पर है। जबकि पड़ौसी चीन का बड़ी आबादी के बावजूद इस मामले में दूसरा नंबर आता है और वहां का प्रतिशत करीब 17 है। साल 2020 में दुनियाभर में सर्वाइकल कैंसर के छह लाख से अधिक मामले सामने आये थे जिसमें करीब साढ़े तीन लाख मौतें हुई थी। इनमें से सर्वाइकल कैंसर के करीब 21 फीसदी मामले भारत में थे जबकि एशिया का आंकड़ा 58 फीसदी था। यानी भारत में इस कैंसर के मरीजों की संख्या दूसरे देशों के मुकाबले बहुत अधिक है। इसके रोगियों में बढ़ोतरी की मुख्य वजह आर्थिक और सामाजिक तौर पर पिछड़ेपन को माना गया है। हिंदुस्तान में बड़ी आबादी पिछड़ेपन का शिकार है जो आर्थिक और सामाजिक स्तर के साथ ही शैक्षिक और राजनीतिक तौर पर भी काफी पिछड़ी हुई है, जिसको आरक्षण का टीकाकरण भी पूरी तरह से ठीक नहीं कर पा रहा है।

बता दें कि सर्वाइकल कैंसर के टीके के मामले में एशिया के कई छोटे-छोटे देश भारत से कहीं आगे हैं, जिसके यहां सर्वाइकल कैंसर के निदान के लिए टीकाकरण अभियान चलाया चला रहे हैं। इन एशियाई देशों में श्रीलंका, भूटान, म्यांमार, मालदीव, थाईलैंड प्रमुख हैं, मगर भारत में अभी तक इस कैंसर से बचाव का टीका तैयार नहीं किया जा सका है जबकि हम दुनिया में दवाखान कहलाने वाले देश हैं। हालांकि सरकारी तौर पर दावे किए जा रहे है कि 2023 तक देश में इसके टीके को ईजाद कर लिया जाएगा और सर्वाइकल कैंसर से होने वाली मौतें को रोका जा सकेगा। 2023 में भारत में इसकी शुरूआत की बात टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार के प्रमुख डॉ. एनके अरोड़ा की ओर से आई है। कहा गया है कि देश में 9 से 14 साल की बच्चियों को इसकी डोज दी जाएगी। बाजार में इस बीमारी की दवा का दाम आम आदमी की पहुंच से दूर है जिसकी वजह से मौतें की संख्या में इजाफा दूसरे देशों से भारत में अधिक है। ऐसे में सरकार को इस पर अधिक तेजी से काम करने की जरूरत है ताकि लोगों की इस कैंसर से होने वाली मौतों के मामलों को नियंत्रित किया जाए और आम आदमी को राहत मिले सके।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

साहित्य अकादमी पुरस्कारों पर विवाद क्यों?

कृष्ण कल्पित

भारतीय भाषाओं में दिया जाने वाला साहित्य अकादमी सम्मान हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी विवादों के घेरे में है। हिंदी भाषा के पुरस्कार के लिए इस बार 11 किताबें नामित थीं। इनमें मृणाल पांडे, कमल किशोर गोयनका, सूर्यबाला, चंदन पांडे, ज्ञान चतुर्वेदी, गीतांजलि श्री, क्षमा शर्मा के साथ बद्रीनारायण शामिल थे। साहित्य अकादमी पुरस्कार कांशीराम की जीवनी लिखने वाले समाजशास्त्री और कवि बद्रीनारायण की कविता की किताब 'तुमड़ी के शब्द' को दिए जाने की घोषणा की गई।

अकादमी पुरस्कार पिछले पांच वर्षों में प्रकाशित किताब पर दिया जाता है। हिंदी में जो किताबें इस बार नामित हुई हैं, उनसे अंदाजा लगाया जा सकता है कि साहित्य अकादमी में पारदर्शिता के नाम पर सुराख ही सुराख हैं। सवाल है कि क्या ये किताबें पिछले पांच वर्षों में हिंदी में प्रकाशित श्रेष्ठ कृतियां हैं? जवाब हां में होना चाहिए, लेकिन ऐसा विश्वासपूर्वक कहना मुश्किल हो रहा है तो इसकी कई वजहें हैं। इस बार हिंदी के निर्णायक नंदकिशोर आचार्य, अरुण कमल और डॉ. चंद्र त्रिखा थे। पुरस्कार दिए जाने पर निर्णायक मंडल की किसी लिखित टिप्पणी के अभाव में यह जानना मुश्किल है कि किसी किताब का चयन किस आधार पर किया गया। यह जरूरी नहीं कि नैशनल या इंटरनैशनल लेवल पर पहले से पुरस्कृत किसी किताब को साहित्य अकादमी पुरस्कार दिया ही जाए। लेकिन सवाल है कि गीतांजलि श्री के जिस हिंदी उपन्यास 'रेत-समाधि' के अंग्रेजी अनुवाद को प्रतिष्ठित बुकर पुरस्कार दिया गया, क्या वह अपनी मूल हिंदी भाषा में साहित्य अकादमी पुरस्कार के योग्य नहीं है? चूंकि निर्णायकों की ओर से फैसले के साथ कोई लिखित टिप्पणी नहीं है, इसलिए यह समझना मुश्किल है कि गीतांजलि श्री के उपन्यास पर बद्रीनारायण के कविता संग्रह 'तुमड़ी के शब्द' को क्यों तरजीह दी गई। इस बारे में साहित्य अकादमी निर्णायकों का लिखित स्पष्टीकरण जारी करे तो स्थिति साफ हो सकती है। अपनी और पुरस्कार की प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए अकादमी को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। फिर साहित्य अकादमी मूल लेखन के साथ भारतीय भाषाओं में अनुवाद पुरस्कार भी देती है। इस बार का उर्दू अनुवाद पुरस्कार हिंदी कविता पुस्तक 'सुनो राधिका' के अनुवाद के लिए रेणु बहल को दिया गया। आश्चर्य की बात है कि मूल किताब साहित्य

> अकादमी पुरस्कार पिछले पांच वर्षों में प्रकाशित किताब पर दिया जाता है। हिंदी में जो किताबें इस बार नामित हुई हैं, उनसे अंदाजा लगाया जा सकता है कि साहित्य अकादमी में पारदर्शिता के नाम पर सुराख ही सुराख हैं। सवाल है कि क्या ये किताबें पिछले पांच वर्षों में हिंदी में प्रकाशित श्रेष्ठ कृतियां हैं? जवाब हां में होना चाहिए, लेकिन ऐसा विश्वासपूर्वक कहना मुश्किल हो रहा है तो इसकी कई वजहें हैं।

अकादमी के उपाध्यक्ष माधव कौशिक रचित है। इसे अनैतिक आचरण ही नहीं, अकादमी के नियमों की भी अवहेलना बताया जा रहा है। साहित्य अकादमी के किसी भी अधिकारी, सदस्य, संयोजक की किसी भी किताब पर नियमों के हिसाब से विचार नहीं किया जा सकता। अभी अकादमी में उर्दू भाषा के संयोजक प्रख्यात शायर शीन काफ निजाम हैं, जिनकी देखरेख में उर्दू के पुरस्कार दिए गए। पूछा जा रहा है कि क्या उन्हें मालूम नहीं था कि जिस किताब के अनुवाद को पुरस्कृत किया जा रहा है, वह साहित्य अकादमी के उपाध्यक्ष की है? माधव कौशिक का कार्यकाल इसी महीने समाप्त होने वाला है। क्या नियमों की अवहेलना के लिए साहित्य अकादमी को स्पष्टीकरण नहीं देना चाहिए? मांग तो यहां तक हो रही है कि अकादमी को इस पूरे प्रसंग की जांच करवाकर नियम विरुद्ध दिए गए पुरस्कार को निरस्त करना चाहिए और उर्दू भाषा के संयोजक, निर्णायक मंडल के सदस्यों पर समुचित कार्रवाई करनी चाहिए। यह तथ्य भी विचार की मांग कर रहा है कि हिंदी भाषा में आज तक किसी दलित साहित्यकार को पुरस्कृत नहीं किया गया। नासिरा शर्मा को छोड़कर किसी मुसलमान को भी नहीं।

वैसे कोई भी पुरस्कार या सम्मान उत्कृष्टता का पैमाना नहीं हो सकता। हिंदी भाषा में निराला, मुक्तिबोध, फणीश्वरनाथ रेणु, धर्मवीर भारती, राजेंद्र यादव, असगर वजाहत जैसे महत्वपूर्ण कवियों-लेखकों को भी साहित्य अकादमी पुरस्कार नहीं दिया गया और बहुत से ऐसे लेखकों को पुरस्कृत किया गया, जिन्हें कभी का भुलाया जा चुका है। अब अकादमी को इस बारे में विचार करना चाहिए और पुरस्कार की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाना चाहिए।

अमेरिका में घट रहा है यूक्रेन युद्ध का समर्थन

हर्ष वी पंत

साल 2022 शुरू होने से पहले ही यूक्रेन को लेकर बहस शुरू हो चुकी थी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन यूक्रेन के इर्दगिर्द अपनी सेना का जमावड़ा बढ़ाते जा रहे थे। माहौल में थोड़ी घबराहट जरूर थी, लेकिन शायद ही कोई यह मान रहा था कि युद्ध शुरू हो जाएगा। मगर युद्ध सचमुच शुरू हो गया, जिसने विश्व और यूरोप की भू-राजनीति को हमेशा के लिए बदल कर रख दिया। 24 फरवरी की उस काली तारीख के बाद से अब तक, विभिन्न अनुमानों के मुताबिक दोनों तरफ के एक-एक लाख से ज्यादा सैनिक हताहत हो चुके हैं और करीब 40,000 नागरिक भी मारे गए हैं। युद्ध के कारण 78 लाख से अधिक यूक्रेनी नागरिक कई यूरोपीय देशों में शरणार्थी बन चुके हैं।

हालिया अमेरिका यात्रा के दौरान यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने गर्व से कहा कि यूक्रेन जिंदा है और कभी समर्पण नहीं करेगा। उन्होंने अमेरिका को भरोसा दिलाया कि यूक्रेन को उससे जो मदद मिल रही है, वह भविष्य की सुरक्षा के लिए किया जा रहा निवेश है। जेलेंस्की ने यह भी दावा किया कि अगले साल इस लड़ाई में 'निर्णायक मोड़' आएगा। यूक्रेन के राष्ट्रपति अच्छी तरह जानते हैं कि अगले कुछ महीने बेहद नाजुक हैं और इसकी कई वजहें हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूक्रेन के साथ अंत तक खड़े रहने का वादा जरूर किया है, 2 अरब डॉलर का राहत पैकेज भी घोषित किया है, इसके अलावा 45 अरब डॉलर की सहायता का प्रस्ताव पाइपलाइन में भी है, लेकिन इस युद्ध पर बढ़ते अमेरिकी खर्च को लेकर रिपब्लिकंस के एक हिस्से में बेचैनी बढ़ती जा रही है। हाल में हुए सर्वेक्षणों में महज 50 फीसदी रिपब्लिकन वोटरों ने यूक्रेन को दी जा रही सहायता का समर्थन किया। पिछले मार्च में हुए सर्वेक्षण में समर्थकों का अनुपात 80 फीसदी था। ऐसे भी अमेरिका में युद्ध से लोग तंग आ रहे हैं। करीब एक तिहाई अमेरिकी अब यूक्रेन को सहायता जारी रखने के पक्ष में नहीं हैं और करीब आधे ऐसे हैं जो चाहते हैं कि यूक्रेन जल्द से जल्द शांति कायम कर ले।

रूस भी मानकर चल रहा है कि कड़ाके की ठंड न केवल यूक्रेन युद्ध के प्रति जनसमर्थन को कम करेगी बल्कि उसके साथ खड़े रहने के यूरोपीय देशों के संकल्प की भी परीक्षा लेगी। रूस का आरोप है कि अमेरिका, यूक्रेन में एक छद्म युद्ध लड़ रहा है। हाल ही में अमेरिका ने यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइल देने की बात कही है। उसने इसे यूक्रेन के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर बर्बर रूसी हमले से बचाव का साधन बताया है, लेकिन पैट्रियट मिसाइल की यूक्रेन को डिलिवरी से रूस के इस आरोप को आधार मिलेगा कि अमेरिका, यूक्रेन में छद्म युद्ध लड़ रहा है। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा भी है कि 'शांति स्थापित करने में न तो अमेरिका की कोई दिलचस्पी है और न ही यूक्रेन की। वे बस युद्ध को जारी रखना चाहते हैं।' यूक्रेन में चल रहा युद्ध जल्द समाप्त हो या न हो, इतना जरूर है कि यह ग्लोबल लैंडस्केप को कई तरह से बदल चुका है। वैश्विक ध्रुवीकरण की प्रक्रिया को इसने तेज कर दिया है। पश्चिम और रूस के बीच चलने वाली पारंपरिक प्रतिद्वंद्विता अब अमेरिका-चीन विवाद में भी झलक रही है क्योंकि चीन और रूस की धुरी इस बीच काफी मजबूत हो गई है। यूरोप महाशक्तियों की राजनीति के तर्क को औपचारिक तौर पर स्वीकार कर चुका है और अब भू-राजनीति के तर्क को भी स्वीकार करने को तैयार है। अब जब यूरोप अपनी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाते हुए अपनी सैन्य क्षमता में इजाफा कर रहा है, उसका चीन के साथ अपने संबंधों के समीकरण पर दोबारा विचार करना स्वाभाविक है। भले ही पूतिन ने द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद खड़ी की गई यूरोपीय संरचना की नींव को हिला दिया हो, अब यह महसूस किया जा रहा है कि दीर्घकालिक खतरा तो ज्यादा हिंद प्रशांत क्षेत्र से ही है, जहां शी चिनफिंग घात लगाए मौके का इंतजार कर रहे हैं। इस युद्ध ने दुनिया के सामने कई तरह की नई चुनौतियां पेश की हैं और पारंपरिक सोच के कई अहम पहलुओं की ओर ध्यान खींचा है। युद्ध के दौरान यह स्पष्ट हो गया है कि इस विस्फोटक दौर की जरूरतों से निपटने के लिए नए संस्थान और नए फ्रेमवर्क खड़े करने होंगे। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद उभरी बहुपक्षीय व्यवस्था अब बुरी तरह से हांफ रही है और जैसे-जैसे ध्रुवीकरण तेज होगा, यह पुरानी व्यवस्था के अवशेष में बदलती जाएगी।

नए बहुपक्षीय या कुछ देशों के संगठन की दिशा में बढ़ते कदम दरअसल मौजूदा दौर की इसी जरूरत को पूरा करने की कोशिशों का हिस्सा हैं। इस लिहाज से समान सोच वाले देशों का छोटा ग्रुप भी वैश्विक और क्षेत्रीय समस्याओं को हल करने में ज्यादा कारगर साबित हो सकता है। यूक्रेन पर रूसी हमले ने भविष्य में सेनाओं के युद्ध लड़ने के तरीकों को लेकर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। यूक्रेन युद्ध ने जंग में नई टेक्नॉलजी की भूमिका को साबित किया है। इसे लेकर जिस तरह से रूस और यूक्रेन के बीच साइबर संघर्ष चल रहा है, ऐसी उदाहरण भी पहले कम ही मिलते हैं। डिजिटल इन्फॉर्मेशन की लड़ाई में यूक्रेन और पश्चिम भारी पड़े क्योंकि रूस सूचनाओं के प्रवाह पर अपना दखल रखने की स्थिति में नहीं था। कुल मिलाकर, इतना तय है कि यूक्रेन पर रूसी हमला आने वाले वर्षों में वैश्विक राजनीति को कई तरह से प्रभावित करेगा। खासकर भारत के लिहाज से देखा जाए तो इस युद्ध ने उसके भी विदेश और सुरक्षा नीति संबंधी विकल्पों और 21वीं सदी में युद्ध लड़ने के लिए सेना को तैयार करने के तरीकों से जुड़े महत्वपूर्ण सवाल उठाए हैं।

केले के सेवन से नुकसान

जिन लोगों को कब्ज की शिकायत है, उन्हें केले के सेवन से बचना चाहिए। शुगर के मरीजों के लिए केले का सेवन नुकसानदायक हो सकता है। केले में नेचुरल शुगर होता है जिससे ब्लड शुगर लेवल बढ़ सकता है।

कई बीमारियों से करता है बचाव

रोज एक केला आपको कई बीमारियों से बचा सकता है। केले में विटामिन ए, विटामिन, विटामिन सी, मैग्नीशियम, पोटेशियम, विटामिन बी 6, थायमिन, राइबोफ्लेविन पाया जाता है। केले में पानी, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट की मात्रा भी पाई जाती है। केला खाने से जल्दी पेट भर जाता है। सुबह सुबह नाश्ते में केला खाकर निकलते हैं तो लंच तक पेट भरा रहता है और ऊर्जा बनी रहती है। केले का सेवन पाचन संबंधी समस्या को दूर करता है। केले में पाया जाने वाला स्टार्च पाचन तंत्र के लिए अच्छा है। इससे सीने में जलन की समस्या भी ठीक हो सकती है। केले में पाया जाने वाला फाइबर और स्टार्च लंबे समय कर पेट को भरा रहता है। इस कारण भूख नहीं लगती और वजन पर नियंत्रण रहता है।

वजन बढ़ाने के लिए खाएं केला

अच्छा और पौष्टिक आहार सेहत के लिए लाभकारी होता है। हालांकि गलत तरीके से पोष्टिक चीजों का सेवन नुकसानदायक भी हो सकता है। केला सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। दुबले पतले लोगों को वजन बढ़ाने या बॉडी बिल्डिंग करने वाले लोगों को केले का सेवन करना चाहिए। अच्छी पर्सनैलिटी, सुडौल शरीर और मजबूत मसल्स के लिए केला खाने का सुझाव दिया जाता है। शारीरिक फिटनेस को संतुलित करने के लिए भी केला लाभकारी हो सकता है। वजन को बढ़ाने के लिए आप केले का सेवन कर सकते हैं। दिन में 2 से 3 केले का सेवन करें। इससे आपके शरीर को 350 अतिरिक्त कैलोरी मिलती है, जो वजन को कम करने में असरदार है। वहीं, वजन को घटाने के लिए दिन में 1 से अधिक केले का सेवन न करें। हालांकि, ध्यान रखें कि सिर्फ डाइट से वजन को बढ़ाने में मदद नहीं मिल सकती है। शरीर को सुडौल बनाने के लिए डाइट के साथ-साथ नियमित रूप से एक्सरसाइज की भी जरूरत होती है। केले में बहुत सारे गुण पाए जाते हैं, जो बीमारियों से भी बचाव करते हैं।

ड्राईफ्रूट्स-केला शरीर को बनाता है मजबूत

अगर आप शरीर मजबूत बनाने के लिए केले का सेवन कर रहे हैं तो सही तरीके से करें गलत तरीके से केला खाना शरीर पर उल्टा असर कर सकता है और सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। शरीर के वजन को तेजी से बढ़ाने के लिए आप ड्राईफ्रूट्स के साथ केले का सेवन कर सकते हैं। यह आपके शरीर के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। इसके लिए केले को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर लें। इसमें बादाम, किशमिश, काजू जैसे ड्राईफ्रूट्स को काटलकर डालकर इसे डालें। सभी चीजों को अच्छे से मिक्स करके आप स्नैक्स या फिर ब्रेकफास्ट के रूप में इसका सेवन करें। इससे वजन बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

केला खाने का सही समय

केला सुबह नाश्ते में खाया जा सकता है। केले को कभी खाली पेट नहीं खाना चाहिए। रात में सोने से पहले केला खाने से बचना चाहिए। रात में केला खाने से बीमार पड़ सकते हैं। इससे खांसी की समस्या हो सकती है। साथ ही पेट बहुत ज्यादा भर जाने से अनिद्रा की शिकायत भी हो सकती है।

केला और दूध: वजन को बढ़ाने के लिए केला और दूध काफी हेल्दी साबित हो सकता है। इसके लिए 2 से 3 केला लें। इसमें 1 गिलास दूध डालकर इसका सेवन करें। आप चाहें तो इसका बनाना शेक भी तैयार कर सकते हैं। यह वजन को बढ़ाने में फायदेमंद हो सकता है।

घी के साथ खाएं केला: वजन को बढ़ाने के लिए आप घी के साथ केला का सेवन कर सकते हैं। इसके लिए 2 से 3 केलों को छिलकर इसे छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। इसके बाद इसमें 1 चम्मच घी, 1 चुटकी पिसी इलायची डालकर इसे मिक्स करें। इस मिश्रण का रोजाना सेवन करने से शरीर का वजन बढ़ता है। साथ ही आपके शरीर की ऊर्जा भी बढ़ सकती है।

हंसना मना है

पति बाल कटवाकर घर आया। पति: देखो, मैं तुमसे दस साल छोटा लगता हूं कि नहीं? पत्नी: मुंडन करवा लेते तो लगता जैसे अभी पैदा हुए हो।

पप्पू की वाईफ रोमांटिक मूड मे थी, पूरे बैड पर बांहे फैला कर लेट गयी, और पप्पू से बोली कुछ समझे? पप्पू: समझ गया आज तू पूरे बैड पर सोना चाहती है न डायन।

हरियाणवी लड़की: पासपोर्ट साइज फोटो खींच दे। और उसमें मेरी नई चप्पल भी आनी चाहिए, फोटोग्राफर भी हरियाणवी था। बोल्या टट्टी वाली स्टाइल में बैठ जा।

अपने ससुर जी की दुलारी हूं मैं, अपने Hubby की भी प्यारी हूं मैं, फिलहाल तो ये सब सपना है, क्यों की अभी तक कुवारी हूं मैं!

अगर आपका बेटा हैलो हैलो करते हुए, रूम से बाहर निकल जाए, तो समझ जाना की, आपकी होने वाली बहु का फोन है!

एलकेजी के बच्चे के पेपर मे 0 आया। गुस्से से पिता: यह क्या है? बच्चा: पिताजी, शिक्षक के पास स्टार खत्म हो हो गए थे, इसलिये उसने मून दे दिया।

कहानी | प्यासा कौवा

एक बार की बात है, गर्मियों की चिलचिलाती दोपहर में एक प्यासा कौवा पानी की तलाश में इधर-उधर भटक रहा था, लेकिन उसे पानी कहीं नहीं मिला। वह प्यासा उड़ता ही जा रहा था। उड़ते-उड़ते उसकी प्यास बढ़ती जा रही थी, जिस कारण उसकी हालत खराब होने लगी। अब कौवे को लगने लगा कि उसकी मौत नजदीक है, लेकिन तभी उसकी नजर एक घड़े पर पड़ी। वो तुरंत हिम्मत जुटाकर उस घड़े तक पहुंचा, लेकिन उसकी खुशी बस कुछ समय के लिए ही थी, क्योंकि उस घड़े में पानी तो था, लेकिन इतना नहीं था कि कौवे की चोंच उस पानी तक पहुंच सके। कौवे ने हर तरह से पानी पीने की कोशिश की, लेकिन वह पानी पीने में सफल नहीं हो पाया। अब कौवा पहले से भी ज्यादा दुखी हो गया था, क्योंकि उसके पास पानी होते हुए भी वह प्यासा था। कुछ देर घड़े को देखते-देखते कौवे की नजर घड़े के आसपास पड़े कंकड़ों पर पड़ी और कंकड़ों को देखते ही उसके मन में एक योजना आई। उसने सोचा कि थोड़ी मेहनत करके अगर वह एक-एक करके सारे कंकड़ घड़े में डाल दे, तो पानी ऊपर आ जाएगा और वो आसानी से पानी पी सकेगा। उसने एक-एक कर आसपास पड़े कंकड़ों को घड़े में डालना शुरू कर दिया। वह कंकड़ों को तब तक घड़े में डालता रहा, जब तक पानी ऊपर उसकी चोंच तक नहीं आ गया। फिर काफी मेहनत के बाद जब पानी ऊपर आ गया, तो कौवे ने जी भरकर पानी पिया और अपनी प्यास बुझाई। कहानी से सीख: इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि हमें किसी भी परिस्थिति में हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। मेहनत करते रहना चाहिए, क्योंकि मेहनत करने वाले को ही सफलता मिलती है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष लंबे समय से चली आ रही अपनी बीमारी का इलाज अपनी मुस्कान से करें, क्योंकि यह सभी परेशानियों की सबसे कारगर दवा है। लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है।

वृषभ आप मानसिक और शारीरिक तौर पर थकान महसूस कर सकते हैं, थोड़ा-सा आराम और पौष्टिक आहार आपके ऊर्जा-स्तर को उठाए रखने में अहम साबित होगा।

मिथुन कोई दोस्त आपकी सहनशक्ति और समझ की परीक्षा ले सकता है। अपने मूल्यों को दरकिनार करने से बचें और हर फ़ैसला तार्किक तरीक़े से लें।

कर्क आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। पैसा अचानक आपके पास अएगा, जो अपके ख़र्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा।

सिंह अपनी शारीरिक चुस्ती-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। आपका पैसा तभी आपके काम आएगा जब आप उसको संचित करेंगे।

कन्या अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें, जो आध्यात्मिक जीवन के लिए आवश्यक है। मस्तिष्क जीवन का द्वार है, क्योंकि अच्छा-बुरा सब-कुछ इसी के माध्यम से आता है।

तुला व्यस्त दिनचर्या के बावजूद सेहत अच्छी रहेगी। लेकिन इसे हमेशा के लिए सच मानने की ग़लती न करें। अपनी जिंदगी और सेहत का सम्मान करें।

वृश्चिक आपका बच्चों जैसा भोला स्वभाव फिर सतह पर आ जाएगा और आप शरारती मनोदशा में होंगे। आज के दिन आप कार्यक्षेत्र में कुछ बढ़िया कर सकते हैं।

धनु आज आपके पास खुद के लिए पर्याप्त समय होगा, तो मौक़े का फ़ायदा उठाएं और अच्छी सेहत के लिए पैदल सैर पर जाएं। दिन चढ़ने पर किसी पुराने दोस्त से सुखद मुलाक़ात होगी।

मकर खुद अपना इलाज करने से बचें, क्योंकि दवाई पर आपकी निर्भरता बढ़ने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें।

कुम्भ ज़्यादा यात्रा करना झुंझलाहट पैदा कर सकता है। लम्बे अरसे को मद्देनज़र रखते हुए निवेश करें। उबाऊ होती शादीशुदा ज़िन्दगी के लिए कुछ रोमांच ढूंढने की जरूरत है।

मीन प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। कार्यक्षेत्र में या करोबार में आपकी कोई लापरवाही आज आपको आर्थिक नुक्सान करा सकती है।

बॉलीवुड | मन की बात

मिसकैरेज का 14 बार हुआ दर्दनाक हादसा : कश्मीरा शाह

सा एंटरटेनमेंट की दुनिया का एक चर्चित नाम कश्मीरा शाह की जिंदगी भले ही हैप्पनिंग हो लेकिन असल जिन्दगी में उन्हें कई बार दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। उनसे में 14 बार मिसकैरेज झेलना उनकी जिंदगी की सबसे बड़ी मुश्किलों में एक है। आज भले ही उनके 2 प्यारे-प्यारे ट्विन्स है लेकिन शुरुआती दौर में कई दिक्कतों और परेशानियों को झेलना पड़ा था। एक मशहूर अखबार से बात करते वक्त उन्होंने बताया की 14 साल तक उन्होंने मां बनने का प्रयास किया लेकिन वो असफल रहीं। जिसकी वजह से उनकी काफी आलोचनाएं हुई और उन्हें काफी नेगेटिव बातें भी सुननी पड़ी। मगर कश्मीरा ने हार न मानते हुए आईवीएफ प्रक्रिया का सहारा लिया और आज वह सरोगेसी के जरिए दो जुड़वां बच्चों की मां हैं। उन्होंने बताया की लोगों ने ये भी कहा की वो अपने फिगर को मेन्टेन रखने के लिए इस तकनीकी प्रक्रिया का सहारा लिया। जबकि लोगों को उनके उस वक्त के हालतों के बारें में पता नहीं था। एक्ट्रेस ने कहा कि जो लोग पहले से ही मां बनने जैसी हैप्पनिंग चीजों खुशी से जी रहे थे वे भी उनकी इस कदम की निंदा करने से पीछे नहीं रहे। उन्होंने बातो ही बातो में ये बताया की इस प्रक्रिया के दौरान उन्हें कई दिक्कतों का सामना करना पड़ा। एक्ट्रेस ने अपने प्रेग्नेंसी की दौरान की स्थिति के बारे में जिक्र करते हुए कहा कि यह फिजिकली और मेंटली काफी चैजिंग था। उनके लिए ये सफर तो करना था साथ ही साथ पॉजिटिव भी रहना था। उन्होंने अपने बढ़ते वजन और मूड स्विंग्स जैसी चीजों का भी जिक्र किया लेकिन अब वो इन सभी चीजों को पीछे छोड़ जिन्दगी में आगे बढ़ चुकी हैं और पति कृष्णा अभिषेक और अपने दो प्यारे बच्चों के साथ बेहद खुश हैं।

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई सोनाक्षी-हुमा कुरैशी की डबल एक्सएल

बी टाउन की फेमस एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा और हुमा कुरैशी की मोस्ट अवेटेड फिल्म डबल एक्सएल का फैन्स काफी लंबे वक्त से इंतजार कर रहे थे। ऐसे में फैंस का ये इंतजार खत्म हो गया है। जी हां, हुमा और सोनाक्षी की फिल्म डबल एक्सएल ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक दे चुकी हैं। ऐसे में हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप इस फिल्म को किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर घर बैठे आसानी से देख सकते हैं।

डबल एक्सएल फिल्म के ट्रेलर ने फैंस की एक्साइटमेंट को पहले ही बढ़ा रखा था। ऐसे में अब इस फिल्म की रिलीज से भी फैंस काफी एक्साइटेड नजर आ रहे हैं। बात की जाए डबल एक्सएल फिल्म की ओटीटी रिलीज की तरफ तो मशहूर ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर इस फिल्म को रिलीज किया गया है। इस बात की जानकारी नेटफ्लिक्स इंडिया ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर बुधवार को दी है। नेटफ्लिक्स के इस पोस्ट में लिखा है कि राजश्री और सायरा की जोड़ी स्टीरियोटाइप ब्यूटी स्टैंडर्ड को मानने वाले लोगों पर प्रहार करने आ रही हैं। दोस्ती और सपनों की कहानी डबल एक्सएल को अब आप नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं।

नारी पर आधारित है स्टोरी

फिल्म डबल एक्सएल में उन महिलाओं की कहानी को दिखाया गया है, जिन्हें समाज में मोटापे के कारण बहुत झेलना पड़ता है। ये फिल्म मैसेज देती भी दिखाई देगी कि सिर्फ शारीरिक बनावट की असली ब्यूटी नहीं होती है। इस फिल्म में बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा और हुमा कुरैशी के अलावा एक्टर जहीर इकबाल और महत राघवेंद्र लीड रोल में मौजूद हैं। इतना ही नहीं टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन भी डबल एक्सएल में कैमियो करते नजर आएंगे।

काठमांडू कनेक्शन 2 में आतंकी का किरदार निभायेंगे पहल

बॉलीवुड | मसाला

वे ब सीरीज क्रैकडाउन 2 में नजर आ चुके अभिनेता अमित पहल वेब सीरीज काठमांडू कनेक्शन के आगामी दूसरे सीजन का हिस्सा बनने के लिए बिल्कुल तैयार हैं। जहां वेब सीरीज के पहले सीजन में 1993 के बॉम्बे बम धमाकों के इर्द-गिर्द घूमती कहानी थी, वहीं दूसरा सीजन 1999 के विमान अपहरण के इर्द-गिर्द घूमता है।

हरियाणा के झज्जर के रहने वाले अमित ने कहा कि उन्होंने एक 27 वर्षीय लड़के का किरदार निभाया है, जिसके पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन से संबंध हैं। वह तीन और लोगों के साथ काठमांडू आता है और भारतीय विमान आईसी-814 को हाईजैक करने के लिए अपने समूह का नेतृत्व करता है, ताकि उसके वरिष्ठ भारत सरकार के साथ बातचीत या सौदा कर सकें, जो संभवतः भारत के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकता है।

अपने चरित्र और इसे चित्रित करने में आने वाली कठिनाइयों के बारे में बात करते हुए अमित ने खुलासा किया, मुझे लगता है कि सबसे कठिन हिस्सा एक आतंकवादी की मनसा को समझना था, क्योंकि जब आप इस तरह के चरित्र को चित्रित करते हैं, तो उस विशेष चरित्र को जीना अनिवार्य हो जाता है।

अजब-गजब | हैरान कर देने वाली है वजह

ऐसा जादुई घर जो सामने होने के बाद भी नहीं देता है दिखाई

हर कोई अपने घर को ऐसा बनवाना चाहता है जिसे देखकर कोई भी उसकी तारीफ किए बिना न रह सके। लेकिन की बार कुछ लोग ऐसे घर भी बनवा लेते हैं जिसकी चर्चा दुनियाभर में होती है। आज हम आपको एक ऐसे ही घर के बारे में बताने जा रहे हैं। जो इंग्लैंड की राजधानी लंदन में बना हुआ है। इस घर को देखकर हर कोई हैरान रह जाता है क्योंकि ये घर होने के बावजूद बाहर के लोगों को दिखाई ही नहीं देता। ये जानकर आपको हैरानी हो रही होगी कि घर है तो लेकिन वह किसी को दिखाई नहीं देता। लेकिन बात बिल्कुल सच है।

दरअसल, लंदन में मुख्य सक पर एक ऐसा घर बना हुआ है जो आज तक वहां से गुजरने वाले लोगों को कभी दिखाई ही नहीं दिया। ये घर जादुई है या इसके पीछे की कोई और वजह है तो चलिए हम आपको इस घर के बारे में बताते हैं। दरअसल लंदन की मुख्य सड़क पर एक कांच का घर बना हुआ है, जिसे देख कर कोई भी सोच में पड़ जाता है। हालांकि इसे देख कर सभी को ऐसा ही लगता है कि यह सिर्फ एक नार्मल कांच है। क्योंकि देखने वालों को यह पता नहीं लगता है कि यह घर है। कुछ समय पहले जब इस घर की तस्वीरें सोशल मीडिया पर आई तो लोग हैरान रह गए और कहने लगे कि यह कोई घर नहीं है हम रोज यहां से गुजरते हैं क्योंकि उन्हें उस कांच से बने घर का सच पता नहीं नहीं थी। लेकिन यह सच है कि वह एक घर है और उसमें लोग भी रहते हैं। जादुई घर में रहने वाले लोगों का कहना है कि जिस कांच से यह घर बना हुआ है। उसमें से बाहर के लोग कुछ भी नहीं देख सकते हैं। लेकिन अंदर रह रहे लोग बाहर का पूरा नजारा देख सकते हैं। उन्होंने बताया लोग इसे मिरर समझ कर इसमें खुद के चेहरे को देखते है और कपड़े सही करते हैं। उन्हें यह पता नहीं होता है कि उन्हें अंदर ह्यह्यसे लोग भी देख रहे हैं। कांच में पे? पोधो से लेकर, बादलों की भी छाया नजर आती है। इसीलिए इस घर को 'इनविजिबल हाउस' भी कहा जाता है।

गणेश का चमत्कारिक मंदिर, समुद्र में फेंकने के बाद फिर प्रकट हो जाती थी मूर्ति!

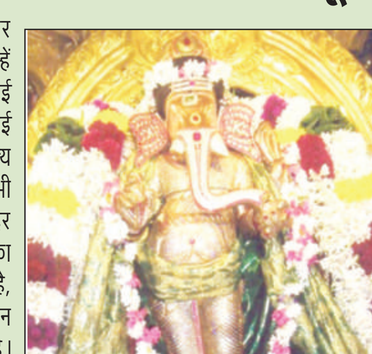

हमारे देश में हजारों मंदिर हैं और इनमें से कई मंदिर ऐसे हैं, जिन्हें चमत्कारी माना जाता है। कई मंदिरों के रहस्य तो आज तक कोई नहीं सुलझा पाया। प्रथम पूज्य भगवान गणेश जी के भी चमत्कारिक और रहस्मयी मंदिर भी देश में हैं। भगवान गणेश का ऐसा ही एक चमत्कारिक मंदिर है, जो 356 साल पुराना है। भगवान गणेश का यह मंदिर पुडुचेरी में है। इसके चमत्कार के किस्से काफी प्रसिद्ध हैं। जब पुडुचेरी में फ्रांसीसी शासन था उस वक्त मंदिर पर कई हमले हुए। ऐसा कहा जाता है कि इस मंदिर में स्थापित गणेश जी की मूर्ति चमत्कारिक है। इस मूर्ति को कई बार समुद्र में फेंका गया, लेकिन यह चमत्कार ही था कि हर बार मूर्ति अपने यथास्थान पर प्रकट हो जाती थी। भगवान गणेश के इस मंदिर का मुख सागर की ओर है, इसी वजह से इन्हें भुवनेश्वर गणपति के नाम से भी जाना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि पहले यहां गणेश जी मूर्ति के आसपास ढेर सारी बालू थी, जिस वजह से इस मंदिर को मनाकुला विनायगर कहा जाने लगा। इस मंदिर का निर्माण 1666 में हुआ था। उस वक्त पुडुचेरी फ्रांस के अधीन था। भगवान गणेश का यह मंदिर करीब 8,000 वर्ग फुट क्षेत्र में बना है। इस मंदिर की दीवारों पर भगवान गणेश के जीवन से जुड़ेदृश्य चित्रित किए गए हैं। इनमें भगवान गणेश के जन्म से लेकर उनके विवाह तक के अनेकों किस्से चित्रों के द्वारा दर्शाए गए हैं। यहां शास्त्रों में वर्णित भगवान गणेश के 16 रूपों के भी दर्शन कर सकते हैं। प्रथम पूज्य के इस मंदिर में मुख्य गणेश प्रतिमा के अलावा 58 अन्य गणेश प्रतिमाएं भी हैं। इस मंदिर में गणेश जी का 10 फीट ऊंचा भव्य रथ भी है। कहा जाता है कि इस रथ के निर्माण में करीब साढ़े सात किलो सोने का उपयोग हुआ है। भगवान गणेश के इस मंदिर में गणेश चतुर्थी को भक्तों की भारी भीड़ बप्पा के दर्शन करने इस मंदिर में आती है।

कांग्रेस मुक्त भारत संभव नहीं : पवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मराठा क्षत्रप व राकांपा प्रमुख शरद पवार ने कांग्रेस को लेकर पुणे में बड़ी बात कही है। कांग्रेस के स्थापना दिवस पर पुणे दफ्तर पहुंचे पवार ने साफ शब्दों में कहा कि कांग्रेस मुक्त भारत संभव नहीं है।

राकांपा प्रमुख ने यह भी कहा कि कांग्रेस और उसकी विचारधारा तथा योगदान की कोई भी अनदेखी नहीं कर सकता। पवार ने पुणे के कांग्रेस कार्यालय के इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि यहां महात्मा गांधी, पं. जवाहर लाल नेहरू और इंदिरा गांधी समेत कई दिग्गज नेता आए थे। पवार ने कहा कि कांग्रेस का पुणे दफ्तर पहले प्रदेश कांग्रेस का मुख्यालय हुआ करता था। पुणे के कांग्रेस भवन में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पवार ने ये बातें कहीं। पुणे जिले से युवा कांग्रेस कार्यकर्ता के तौर पर राजनीतिक करियर की शुरुआत करने वाले पवार ने याद किया कि वह पहली बार 1958 में कांग्रेस भवन आए थे।

भाजपा पर शरद ने बिना नाम लिए साधा निशाना

पवार ने भाजपा का नाम लिए बगैर कहा, कुछ लोग कहते हैं हम कांग्रेस मुक्त भारत बनाएंगे, लेकिन भारत कांग्रेस मुक्त बनाना संभव नहीं है। कांग्रेस के योगदान और इतिहास को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। राकांपा प्रमुख ने कहा कि यदि हम भारत को आगे ले जाना चाहते हैं तो हमें कांग्रेस को आगे बढ़ाना होगा, कोई भी कांग्रेस की विचारधारा को नजरअंदाज नहीं कर सकता। हम कांग्रेस के योगदान और इतिहास को नहीं भूल सकते।

भारत जोड़ो यात्रा में 113 बार नियम तोड़ चुके हैं राहुल गांधी

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी की सुरक्षा में चूक के मामले को कांग्रेस ने जोर-शोर से उठाया है। एक दिन पहले पार्टी नेता केसी वेणुगोपाल ने इसे लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिख सुरक्षा चूक मामले की शिकायत की थी। अब इसे लेकर केंद्रीय रिजर्व सुरक्षा बल (सीआरपीएफ) का जवाब आया है। सीआरपीएफ ने कहा है कि राहुल गांधी की सुरक्षा को लेकर जो गाइडलाइंस जारी की गई है, उन्हें खुद राहुल गांधी की तरफ से तोड़ा गया है। राहुल को इन सुरक्षा उल्लंघनों की जानकारी समय-समय पर दी जाती रही है।

सीआरपीएफ का जवाब

सीआरपीएफ ने कहा कि राहुल गांधी 2020 से लेकर अब तक 113 बार सुरक्षा नियमों का उल्लंघन कर चुके हैं। उन्हें हर बार इस बारे में जानकारी दी गई। भारत जोड़ो यात्रा के दिल्ली चरण में भी उनके साथ चल रहे लोगों ने सुरक्षा नियमों को तोड़ा है और सीआरपीएफ इस मुद्दे पर अलग से डील करेगी।

मुरादाबाद पुलिस अकादमी ने धूमधाम से मनाई वर्षगांठ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुरादाबाद स्थिति डॉ. बीआर अम्बेडकर उत्तर प्रदेश पुलिस अकादमी ने आज अपनी 121वीं वर्षगांठ तथा नामपद्धति की 25वीं रजत जयन्ती धूमधाम से मनाई। इस अवसर पर पुलिस अकादमी व भारतीय डाक विभाग द्वारा संयुक्त रूप से एक विषेश आवरण, एक पिक्चर पोस्ट कार्ड तथा विशेष विरूपण सील जारी किया गया। अकादमी के ऑडीटोरियम हाल में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पुलिस महानिदेशक प्रशिक्षण डॉ. राजेन्द्र पाल सिंह व विशिष्ट अतिथि पोस्ट मास्टर जनरल बरेली संजय सिंह रहे।

बता दें कि मुरादाबाद स्थित प्रशिक्षण संस्थान स्वयं में एक लम्बा इतिहास समेटे हुए है। यह संस्थान एक साधारण पुलिस प्रशिक्षण स्कूल के तौर पर प्रथमत: 1878 में प्रयागराज में स्थापित हुआ तथा वर्ष 1901 में मुरादाबाद के वर्तमान परिसर में अकादमी स्थानान्तरित हुई। इसकी ख्याति इतनी अधिक बढ़ गयी थी कि हैदराबाद, कोटा, ग्वालियर, कश्मीर, नेपाल, सिक्किम, बनारस, रामपुर, दिल्ली व अण्डमान निकाबोर आदि के पुलिस अधिकारी भी 1910 से यहॉ प्रशिक्षित होने लगे। 1934 में प्रशिक्षण संस्थान महाविद्यालय के तौर पर उच्चीकृत हुआ और वर्ष 1997 तक इसी रूप में कार्यरत रहा। उत्तर प्रदेश शासन ने 1997 में एक अकादमी का दर्जा देते हुए इसे भारत रत्न डॉ. बीआर अम्बेडकर उत्तर प्रदेश पुलिस अकादमी का नाम दिया। इसकी गिनती भारत की सर्वोच्च प्रशिक्षण अकादमियों में होती है। प्रशिक्षण की गुणवत्ता के आधार पर अकादमी को 2021 में भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा यूनियन होम मिनिस्टरस् ट्राफी फॉर बेस्ट पुलिस ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूशन इन इण्डिया 2020-21 सेन्ट्रल जोन लेवल पर पुरस्कृत किया गया।

श्रीलंका में राजेश सिंह का होगा सम्मान

» 2 फरवरी को होने वाले सम्मेलन में किये गये आमंत्रित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अगले साल 2 फरवरी को श्रीलंका में होने वाले इंटरनेशनल एजुकेशन समिट फॉर क्वालिटी एजुकेशन में कुंवर ग्लोबल स्कूल और दयाल ग्रुप ऑफ कंपनीज के अध्यक्ष राजेश सिंह को बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया गया है।

श्रीलंका सरकार द्वारा भेजे गए पत्र में कहा गया है कि हाल ही में किये गये दो अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों जिसमें से एक कोलंबो में और दूसरा लखनऊ में हुआ था उसमें जिस तरह कुंवर ग्लोबल स्कूल ने भागीदारी निभाई वह काबिले तारीफ है। जिसकी वजह यह भी है कि इन दोनों ही सम्मेलनों में बड़े पैमाने पर अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त व्यक्तियों ने भाग लिया था। श्रीलंका ने कहा है कि कुंवर ग्लोबल स्कूल और दयाल ग्रुप ऑफ कंपनीज के अध्यक्ष के रूप में राजेश सिंह ने दक्षिण एशियाई क्षेत्र में शिक्षा की गुणवत्ता के उत्थान के लिए समर्थन दिया है, जो काबिले तारीफ है।

नाबालिग से यौन शोषण का आरोपी महंत गिरफ्तार

पुलिस की पूछताछ में हालत बिगड़ने पर अस्पताल में कराया गया भर्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजस्थान के भीलवाड़ा में नाबालिग से यौन शोषण करने के आरोप में महंत सरजूदास महाराज को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस मामले में नाबालिग की मां ने महंत पर एसिड अटैक करने का मामला दर्ज करवाया था जिसके बाद 8 थानों की पुलिस ने घोड़ास स्थित आश्रम जाकर महंत को पकड़ा। इस मामले में पहले पुलिस को महंत के खिलाफ सबूत नहीं मिले लेकिन जांच के दौरान पुलिस को पॉक्सो के तहत पुख्ता सबूत मिल गए। वहीं पुलिस पूछताछ के दौरान महंत की तबीयत बिगडने़ पर दोपहर में हॉस्पिटल जे जाया गया। जानकारी मिली है कि महंत सरजुदास को एएसपी चंचल मिश्रा ने गिरफ्तार किया है। बता दें कि चंचल मिश्रा वही पुलिस अधिकारी है जिन्होंने आसाराम बापू को गिरफ्तार किया था।

मालूम हो कि सरजूदास महाराज भीलवाड़ा के प्रमुख धार्मिक स्थल डांग के हनुमान मंदिर का महंत है जिस पर एक नाबालिग ने मांडल थाने में यौन शोषण का मामला दर्ज करवाया था। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद मांडल, आसींद, करेड़ा, बनेड़ा, रायला, बागोर और पुर थाने के पुलिस जाब्ते ने महंत के आश्रम पर पहुंचकर गिरफ्तारी की।

इस दौरान आश्रम के बाहर पुलिस जवान तैनात रहे और इसके बाद महंत को गिरफ्तार कर थाने ले जाया गया। पुलिस अब महंत सरजूदास से यौन शोषण मामले में पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है पुलिस की पूछताछ से बचने के लिए महंत ने कुछ खा भी लिया था जिसके बाद उसकी तबीयत भी बिगड़ गई।

दरअसल महंत को गिरफ्तार करने से पहले वाटिका के पास तीन अलग-अलग गाड़ियां खड़ी की गई जिसमें से एक गाड़ी में सरजूदास महाराज को बिठाकर पुलिस अपने साथ ले गई। वहीं मांडल थाने पर एहतियात के तौर पर विभिन्न थानों के जाब्ते लगाए गए। पुलिस ने जानकारी दी कि महंत को गिरफ्तार करने के बाद पूछताछ के दौरान उसने कोई संदिग्ध बीज का सेवन कर लिया जिसके बाद पुलिस उसे ऐहतियात के तौर पर अस्पताल ले आई और भर्ती कराया। अस्पताल में डॉक्टर दौलत मीणा और अन्य सरजूदास की हालत पर नजर बनाए हुए हैं। वहीं अस्पताल के बाहर और आईसीयू वार्ड के प्रवेश द्वार पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। वहीं इससे पहले नाबालिग की मां ने महंत पर एसिड अटैक का मामला दर्ज करवाया था। हालांकि पुलिस जांच मे महंत निर्दोष पाया गया था। मामले के अनुसार कुछ समय पहले पीड़िता की मां पर एसिड अटैक हुआ था जिसमें उसने महंत पर एसिड अटैक का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। एएसपी चंचल मिश्रा ने बताया कि मांडल थाने में दर्ज एक पॉक्सो मामले में घोड़ास में डांग के हनुमान मंदिर के प्रमुख महंत सरजूदास को गिरफ्तार कर लिया गया है और उन्हें गिरफ्तार करने के बाद उसके पास मिले सामान की लिस्ट तैयार की जा रही है। अब पुलिस मामले की जांच कर महंत का पोटेंसी टेस्ट भी करवाएगी। बता दें कि भीलवाड़ा जिले के घोड़ास डांग के हनुमान मंदिर, करेड़ा के चंपाबाग सहित पांच आश्रमों का सरजूदास मुखिया था। महाराष्ट्र के जलगांव, बद्रीनाथ और अयोध्या में भी उसका आश्रम चलता है। वहीं देशभर में महंत के सैकड़ों अनुयायी हैं।

दिल्ली में हल्की राहत पर कांप रहा उत्तर भारत

» साल के आखिरी दिन में और सितम ढहाएगी सर्दी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। साल के अंत में उत्तर भारत के ज्यादातर हिस्सों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। पंजाब, हरियाणा, उत्तरी राजस्थान समेत कई हिस्सों में सर्दी सितम जारी है। हालांकि दिल्ली में गुरुवार को न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस बने रहने से ठंड और कोहरे से थोड़ी राहत मिली है। मौसम विभाग के मुताबिक उत्तरी भारत के कुछ हिस्सों में चल रही शीतलहर के बीच दिल्ली के पालम में न्यूनतम तापमान 9.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 7.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

फोटो: सुमित कुमार

मौसम विभाग के मुताबिक, 31 दिसंबर से फिर से शीतलहर और घने कोहरे का प्रकोप बढ़ने की संभावना है। पंजाब, हरियाणा, उत्तरी राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, एनसीआर और दिल्ली के कुछ हिस्सों में घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। दिल्ली में गुरुवार को न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस जबकि अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। राजधानी में कल धूप खिलने की वजह से लोगों को ठंड से थोड़ी राहत मिली थी। दिल्ली-एनसीआर में नए साल की शुरुआत के साथ ही ठंड बढ़ने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार अगले 48 घंटे तक लोगों को घने कोहरे और शीत लहर से थोड़ी राहत मिलेगी, लेकिन 31 दिसंबर से घने कोहरे और शीतलहर का प्रकोप फिर बढ़ेगा।

दलाई लामा का बोधगया दौरा बिहार सरकार का बना सिरदर्द

» जिला प्रशासन और जांच एजेंसियां हुई सतर्क, तलाश में जुटी

» पहले कोरोना आया और अब चीनी जासूस के आने से माहौल गरमाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। आध्यात्मिक धर्मगुरु दलाई लामा का इस बार बिहार दौरा जिला प्रशासन और सरकार के लिए सिरदर्द बन गया है। पहले उनका प्रवचन सुनने आए लोगों के साथ कोरोना भारत में आया था और अब एक चीनी जासूस की गतिविधियों की जानकारी ने राज्य सरकार और जांच एजेंसियों को हिला दिया है। पुलिस और जांच एजेंसी चीनी संदिग्ध महिला का स्केच जारी कर उसकी तलाश कर रही है, हालांकि अबतक पुलिस और जांच एजेंसियों के हाथ खाली हैं।

धर्मगुरु दलाई लामा कुछ दिनों से गया में हैं। उनके आसपास की सुरक्षा है। चार स्तर की सुरक्षा की परिधि की अनुमति के बाद ही कोई उनतक पहुंच सकता है। उनकी सुरक्षा पर आतंकवाद निरोधक दस्ता की नजर है और दो हजार पुलिसकर्मियों सहित अन्य सुरक्षा एजेंसियां भी काम कर रही हैं। ऐसे में एक संदिग्ध चीनी महिला की जानकारी सामने आई है, जो उनपर नजर रख रही थी। इस जानकारी के साथ ही जिला प्रशासन और खुफिया एजेंसी उस संदिग्ध महिला को ढूंढने में जुटी है। पुलिस और जांच एजेंसियां सभी होटलों, मठ और लॉज सहित सभी संभावित ठिकानों को खंगाल रही है। यह डर इसलिए भी बढ़ गया है, क्योंकि बोधगया पुलिस ने करीब तीन महीने पूर्व भी एक होटल से एक संदिग्ध चीनी जासूस को हिरासत में लिया था। हालांकि खुफिया तंत्र को अबतक महिला चीनी जासूस का कोई सुराग नहीं मिला है। यह काम इसलिए भी मुश्किल हो रहा है, क्योंकि जिला प्रशासन रविवार से ही कोरोना केस अचानक सामने आने और लगातार तेजी से बढ़ने के कारण सारा ध्यान उसपर लगा रहा था। बीते छह दिनों में अब तक 19 विदेशी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। विदेशी मेहमानों के साथ ही जिले के लोगों के लिए भी जिला प्रशासन ने मास्क अनिवार्य कर दिया है। दूसरी बात यह भी है कि तिब्बत, भूटान, वियतनाम, थाईलैंड, जापान, म्यांमार से आने वाले विदेशी मेहमानों की शक्ल और शरीर करीब करीब मिलने के कारण जांच में परेशानी आ रही है।

19 विदेशी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं अभी तक

संदिग्ध की पहचान के लिए स्केच जारी

उस संदिग्ध चीनी महिला की पहचान अबतक सांग जियालोन के रूप में की जा रही है। उसका वीजा नंबर 901 बीएए 2 जे और पीपी नंबर-ईएच-2722976 है। दुबली-पतली काया और सिर पर बेहद छोटे-छोटे बाल वाली संदिग्ध महिला ने भिक्षु का रूप धारण कर रखा है। पुलिस मुख्यालय होते हुए बोधगया तक पहुंची इस जानकारी के बाद खुफिया तंत्र मुखबिरों की भी मदद ले रहा है। आशंका जताई जा रही है कि संदिग्ध महिला चीन की जासूस है और दलाई लामा से जड़े कार्यक्रम और बोधगया के बाबत जानकारी लेने के लिए पहुंची है।

पीएम मोदी की मां की तबीयत में आया सुधार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुजरात। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बड़े भाई सोमाभाई मोदी ने गुरुवार को कहा कि उनकी मां हीराबेन की हालत में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है और उन्होंने सुबह तरल भोजन किया। हीराबेन (99) को स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों के कारण बुधवार सुबह यहां सुपर स्पेशियलिटी यूएन मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर में भर्ती कराया गया था।

सोमाभाई मोदी ने बताया कि उनकी स्थिति में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। वह आज काफी बेहतर हैं, उन्होंने अपने हाथ-पैर चलाए हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने हमें एक संकेत के माध्यम से, उसे बैठने की स्थिति में रखने के लिए कहा और अस्पताल द्वारा दिया गया तरल भोजन भी लिया। उनके डिस्चार्ज के बारे में निर्णय आज उसका सीटी स्कैन और एमआरआई कराने के बाद डॉक्टरों द्वारा लिया जाएगा।

राहुल-अखिलेश साथ आएं तो बदल देंगे देश की सियासी तस्वीर : पल्लवी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सिराथू विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी विधायक पल्लवी पटेल के एक बयान से राजनितिक घरमा गयी है। दरअसल पल्लवी पटेल ने अखिलेश यादव और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को लेकर एक ऐसा बयान दिया जिससे सियासी हलचल तेज हो गयी है।

बता दें पल्लवी पटेल से अखिलेश यादव और राहुल गांधी को लेकर एक सवाल पर उन्होंने कहा कि वो पूरी कोशिश करेंगी के अखिलश और राहुल गांधी फिर से एक साथ आए उन्होंने कहा कि इस पर वो प्रियंका गांधी से बात करेंगी। पल्लवी पटेल ने राहुल की भारत जोड़ो यात्रा की प्रशंसा करते हुए कहा कि राहुल ने देश को जोड़ने का काम किया है।वहीं कांग्रेस को लेकर जब उनसे सवाल पूछा गया तो पल्लवी पटेल ने आगे कहा, उनकी पार्टी तो जुड़ गई और लोगों के बीच में कांग्रेस को लेकर एक उदासीनता थी। इसके बजाए लोग कांग्रेस से अब बहुत आशा रख रहे हैं। राहुल की यात्रा में लोग शामिल हो रहें हैं और बहुत जुड़ाव महसूस कर रहें हैं। उन्होंने कहा इस यात्रा का फायदा कांग्रेस को 2024 में देखने को मिलेगा। वहीं जब उनसे मैनपुरी चुनाव प्रचार के दौरान उपस्थित न होने पर सवाल किया तो उन्होंने कहा था शायद अखिलेश यादव को मेरी आवश्यकता वहां नहीं लगी होगी इसलिए नहीं बुलाया। शायद उन्होंने डिप्टी सीएम को हराने के लिए मुझ पर दांव चला था।

प्रवासी वोटर्स दूसरे शहर से कर सकेंगे मतदान

पीटीआई का दावा, चुनाव आयोग ने दूरस्थ ईवीएम का प्रोटोटाइप किया विकसित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मतदान करना हर व्यस्क का संवैधानिक अधिकार होता है। लेकिन कई लोग अपने घर से दूर रहने के कारण वोट नहीं डाल पाते हैं। लेकिन अब चुनाव आयोग ने ऐसा समाधान कर दिया है जिससे घर से दूर रहने वाले लोग भी वोट डाल सकेंगे। देश में चुनाव आयोग ने घरेलू प्रवासी मतदाताओं के लिए दूरस्थ ईवीएम का प्रोटोटाइप विकसित किया, यह एकल बूथ से 72 निर्वाचन क्षेत्रों में दूरस्थ मतदान को नियंत्रित कर सकता है। दरअसल, चुनाव आयोग ने घरेलू प्रवासी मतदाताओं के लिए दूरस्थ ईवीएम का प्रोटोटाइप विकसित किया, यह एकल बूथ से 72 निर्वाचन क्षेत्रों में दूरस्थ मतदान को नियंत्रित कर सकता है।

निर्वाचन आयोग ने आगामी 16 जनवरी को रिमोट ईवीएम का शुरुआती मॉडल दिखाने के लिए सभी दलों को आमंत्रण किया है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने इसकी पुष्टि की है। वहीं इसे लागू करने के लिए कानूनी और प्रशासनिक चुनौतियों पर पार्टियों के विचार भी मांगे गए हैं। बताया गया है कि एक मोटे आकड़े में 30 करोड़ से ज्यादा मतदाता वोट करने से वंचित रह जाते हैं। चुनाव आयोग 30 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं के मताधिकार का इस्तेमाल नहीं करने को लेकर चिंतित है। वोटर नई जगह जाने पर कई वजहों के चलते चुनाव में मतदान करने के लिए अपने घरेलू मतदान केंद्र पर नहीं लौट पाता है। घरेलू प्रवासियों का वोटिंग करने में असमर्थ होना चिंता का विषय है।

अनियंत्रित बस खड्ड में गिरी, 20 जख्मी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीतापुर। जिले के थाना रेउसा इलाके में बुधवार देर रात 50 यात्रियों से भरी एक बस अनियंत्रित होकर खड्ड में पलट गई। खड्ड में पानी भरा हुआ था। हादसे में करीब 20 लोग जख्मी हो गए जिनमें से 6 लोगों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

तबौर के भिठलाकला गांव के लोग छत्तीसगढ़ मजदूरी करने के लिए एक निजी बस से जा रहे थे। बुधवार देर रात निजी बस थाना रेउसा के खुरवलिया के निकट पहुंची तभी सामने से आ रहे एक वाहन से बचने के चक्कर में बस अनियंत्रित होकर पुलिया को पार करती हुए खड्ड में जा गिरी। यात्री किसी तरीके से बस से बाहर निकले और पुलिस को मामले की जानकारी दी। देर रात ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को निकालकर सीएचसी में भर्ती कराया जहां से 6 लोगों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

बीएमसी मुख्यालय में राजनीतिक दलों के दफ्तर सील, शिंदे-ठाकरे गुटों में झड़प के बाद कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बृहन्मुंबई नगर निगम प्रशासन ने प्रतिद्वंद्वी शिवसेना गुटों के बीच आमने-सामने होने के बाद यहां बीएमसी मुख्यालय में सभी राजनीतिक दलों के कार्यालयों को सील कर दिया है। नगर आयुक्त इकबाल सिंह चहल, जो बीएमसी के प्रशासक भी हैं, ने गुरुवार को इस घटना के बारे में समाचार एजेंसी पीटीआई से विस्तार से बात की।

उन्होंने बताया कि बीएमसी ने बुधवार को नागरिक मुख्यालय में हुई घटना के बाद मुंबई पुलिस के निर्देश पर यह कदम उठाया है जिसके तहत भूतल पर सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के कार्यालयों को सील कर दिया गया। बता दें कि उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुटों का बुधवार शाम दक्षिण मुंबई स्थित निकाय मुख्यालय में आमना-सामना हो गया था। पुलिस के हस्तक्षेप करने तक परिसर में एक घंटे तक तनाव बना रहा।

इन पार्टियों के दफ्तर बंद

शिंदे के नेतृत्व वाली बालासाहेबंची शिवसेना की प्रवक्ता शीतल म्हात्रे ने कहा कि निकाय प्रशासन ने निकाय मुख्यालय में शिवसेना, कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और समाजवादी पार्टी के कार्यालयों को सील कर दिया है। एक राजनीतिक कार्यकर्ता ने कहा कि जब वे गुरुवार सुबह कार्यालय पहुंचे तो उन्होंने बीएमसी मुख्यालय के भूतल पर स्थित अपने पार्टी कार्यालय को सील पाया।

कल भिड़े थे समर्थक

वहीं, बुधवार को दक्षिण मुंबई में बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) मुख्यालय में स्थित पार्टी दफ्तर में शिवसेना के दोनों गुट आमने-सामने आ गए। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे गुट के समर्थकों के बीच झड़प हो गई। पुलिस के हस्तक्षेप से मामला शांत हुआ, लेकिन परिसर में एक घंटे तक तनाव बना रहा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।